



ANTI-APARTHEID MOVEMENT
मीडिया रिलीज़
30 मार्च 2026

STOP THE WAR ON IRAN!

साम्राज्यवादी और ज़ायोनिस्ट आक्रामकता के खिलाफ एकता का आह्वान

दक्षिण अफ्रीकी एंटी-अपार्थाइड मूवमेंट के अध्याय द्वारा जारी
अध्यक्ष: फ्रैंक चिकाने

दक्षिण अफ्रीकी एंटी-अपार्थाइड मूवमेंट का अध्याय अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान पर शुरू किए गए अवैध युद्ध की कड़ी निंदा करता है। यह साम्राज्यवादी और विस्तारवादी युद्ध पहले ही ईरान, लेबनान, पूरे पश्चिम एशिया क्षेत्र और व्यापक रूप से दुनिया पर विनाशकारी प्रभाव डाल चुका है।

इस युद्ध से होने वाली सभी तबाही के लिए जिम्मेदारी संयुक्त राज्य अमेरिका और इज़राइल की है। उनकी बिना उकसावे की आक्रामकता ने पहले ही हजारों नागरिकों की जान ले ली है – जिनमें स्कूल के बच्चे भी शामिल हैं – लाखों लोगों का विस्थापन हुआ है, और नागरिक बुनियादी ढांचे का भारी विनाश हुआ है।

ईरान और अन्य स्थानों पर अमेरिका और इज़राइल के अपराध केवल इस अवैध युद्ध, ईरानी राष्ट्र प्रमुख की हत्या, या नागरिकों को निशाना बनाने (जैसे हमलों के पहले दिन मिनाब के स्कूल) तक सीमित नहीं हैं। इसमें यह तथ्य भी शामिल है कि, आठ महीनों में दूसरी बार, इन देशों ने ईरान के साथ वार्ता के बीच अवैध युद्ध शुरू किया। मध्यस्थों ने बताया था कि एक समझौता निकट था, जिससे संकेत मिलता है कि अमेरिका ने वार्ता का उपयोग अपने सैन्य बलों को युद्ध के लिए तैयार करने के लिए एक देरी की रणनीति के रूप में किया।

अमेरिकी खुफिया समुदाय ने पुष्टि की कि ईरान परमाणु हथियार बनाने के करीब नहीं था, न ही उसका ऐसा इरादा था; यह भी स्वीकार किया गया कि अमेरिका के खिलाफ कोई “तत्काल खतरा” नहीं था। इसलिए अमेरिका-इज़राइल का हमला संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 2 और 51 का सीधा उल्लंघन था, जो किसी सदस्य राज्य द्वारा बल प्रयोग और आत्मरक्षा के अधिकार से संबंधित हैं। यह संयुक्त राष्ट्र महासभा प्रस्ताव 3314 का भी उल्लंघन है, जिसके अनुसार ईरान पर थोपा गया यह युद्ध आक्रामकता का युद्ध और अंतरराष्ट्रीय शांति के खिलाफ अपराध माना जाएगा।

यह स्पष्ट है कि ईरान पर हमला इज़राइल की विस्तारवादी परियोजना का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य पूरे पश्चिम एशिया क्षेत्र पर प्रभुत्व स्थापित करना और उसकी जनता को ज़ायोनिस्ट उद्देश्यों के अधीन करना है। यह इज़राइल है, ईरान नहीं, जो “ग्रेटर इज़राइल” के अपने दावों के साथ क्षेत्रीय विस्तार पर जोर देता है; यह इज़राइल है, ईरान नहीं, जिसके पास परमाणु हथियार हैं; यह इज़राइल है, ईरान नहीं, जिसने परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर करने से इनकार किया है और अपने परमाणु प्रतिष्ठानों को IAEA निरीक्षण के अधीन करने से इनकार किया है; यह इज़राइल है, ईरान नहीं, जिसने फरवरी 2026 तक सात पड़ोसी देशों पर हमला या आक्रमण किया है। यह इज़राइल है, ईरान नहीं, जो गाजा और अब वेस्ट बैंक में अवैध रूप से कब्जा की गई आबादी के खिलाफ नरसंहार का दोषी है।

अमेरिका, अपने शासन परिवर्तन एजेंडों, अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघनों, और औपनिवेशिक मॉडल की पुनर्स्थापना (जैसे गाजा के लिए ट्रम्प के प्रस्ताव और क्यूबा के खिलाफ अवैध प्रतिबंध) के साथ, दुनिया को फिर से साम्राज्यवादी शासन, तानाशाही, गुलामी, उपनिवेशवाद और बर्बरता के एक आदिम युग में ले जाना चाहता है। अमेरिका और इज़राइल की हालिया कार्रवाइयाँ दुनिया के सभी लोगों के लिए एक आह्वान हैं।

या तो हम उनके अवैध कार्यक्रमों का विरोध करें या हम दुनिया को बर्बरता, हिंसा, शक्तिशाली द्वारा कमजोरों के दमन और संसाधनों की लूट के भविष्य के लिए छोड़ दें।

हम दक्षिण अफ्रीकी सरकार से आह्वान करते हैं कि: अमेरिका-इज़राइल के अवैध युद्ध का स्पष्ट रूप से विरोध करे; पश्चिम एशिया और अफ्रीका में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को समाप्त करने की मांग करे; इज़राइल नामक अपार्थाइड राज्य पर तुरंत प्रतिबंध लगाए; अमेरिका-इज़राइल के अवैध युद्ध के खिलाफ BRICS की स्थिति की मांग करे; और अमेरिकी साम्राज्यवादी अभियानों और ज़ायोनिस्ट विस्तारवाद के खिलाफ एक वैश्विक सहमति विकसित करे।

हम सभी दक्षिण अफ्रीकियों से आह्वान करते हैं कि वे इन मांगों का समर्थन करें; और युद्ध को रोकने, ईरानी लोगों के साथ एकजुटता में खड़े होने, और फासीवाद और साम्राज्यवाद के खिलाफ उठ खड़े होने के लिए संगठित हों।

रेव. फ्रैंक चिकाने

अध्यक्ष, एएएम का दक्षिण अफ्रीकी अध्याय, इज़राइल के सेटलर-औपनिवेशिक और अपार्थाइड शासन के खिलाफ

अधिक जानकारी या साक्षात्कार के लिए, संपर्क करें:

सुश्री डुडु मसांगो-महलांगु (उपाध्यक्ष)

मोबाइल: +27 71 484 8208

ईमेल: media@antiapartheid.net

दक्षिण अफ्रीकी एंटी-अपार्थाइड मूवमेंट के अध्याय द्वारा जारी, यह एक व्यापक गठबंधन है जो दक्षिण अफ्रीकी समाज के विभिन्न वर्गों का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें फिलिस्तीन एकजुटता संगठनों जैसे साउथ अफ्रीकन बॉयकोट, डिवेस्टमेंट एंड सैंक्शन्स (BDS) कोएलिशन, अफ्रीका फॉर फिलिस्तीन (A4P), फिलिस्तीनियन सॉलिडैरिटी एलायंस (PSA), फिलिस्तीनियन सॉलिडैरिटी कैंपेन, पैन अफ्रीकन फिलिस्तीन सॉलिडैरिटी नेटवर्क (PAPSN), पोट्च 4 फिलिस्तीन (P4P), हेल्थ वर्कर्स 4 फिलिस्तीन, और सोशल इंटीफाडा शामिल हैं।

इसमें प्रमुख ट्रेड यूनियन महासंघ शामिल हैं, जिनमें कांग्रेस ऑफ साउथ अफ्रीकन ट्रेड यूनियंस (COSATU) और साउथ अफ्रीकन फेडरेशन ऑफ ट्रेड यूनियंस (SAFTU) शामिल हैं।

धार्मिक संगठन भी इसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जिनमें साउथ अफ्रीकन काउंसिल ऑफ चर्चस (SACC), इवेंजेलिकल एलायंस ऑफ साउथ अफ्रीका (TEASA), मुस्लिम जुडिशियल काउंसिल (MJC), यूनाइटेड उलमा काउंसिल ऑफ साउथ अफ्रीका (UUCSA), एंग्लिकन चर्च ऑफ साउथर्न अफ्रीका (ACSA), मेथोडिस्ट चर्च ऑफ साउथर्न अफ्रीका (MCSA), इवेंजेलिकल लूथरन चर्च इन साउथर्न अफ्रीका (केप चर्च), काउंसिल ऑफ अफ्रीकन इंडिपेंडेंट चर्चस (CICSA), क्लेयरमोंट मेन रोड मस्जिद (CMRM), कैथोलिक चर्च, तथा अंतरधार्मिक एकजुटता समूह जैसे साउथ अफ्रीकन क्रिश्चियंस फॉर फिलिस्तीन (SACFP) और साउथ अफ्रीकन ज्यूज़ फॉर अफ्री फिलिस्तीन (SAJFP) शामिल हैं।

इस गठबंधन में विभिन्न राजनीतिक दल और संगठन भी शामिल हैं, जिनमें अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस (ANC), उमखोटो वे सिज़वे पार्टी (MKP), इकोनॉमिक फ्रीडम फाइटर्स (EFF), पैन अफ्रीकनिस्ट कांग्रेस (PAC), अल जमाआह (ALJAMA), साउथ अफ्रीकन कम्युनिस्ट पार्टी (SACP), और राइज़ म्ज़ांसी (RISE) शामिल हैं, साथ ही छात्र और युवा संगठन जैसे साउथ अफ्रीकन स्टूडेंट्स कांग्रेस (SASCO) और नेशनल यूथ डेवलपमेंट एजेंसी (NYDA)।

इसके अतिरिक्त, कई नागरिक समाज संगठन, फाउंडेशन और जमीनी आंदोलन भी शामिल हैं, जिनमें नेल्सन मंडेला फाउंडेशन (NMF), थाबो मबेकी फाउंडेशन, अहमद कथरादा फाउंडेशन, स्टीव बीको फाउंडेशन, डिफेंड अवर डेमोक्रेसी, कोएलिशन फॉर गुड (TC4G), अबाहलाली बेसमजॉडोलो, और सिफोसोंके समूह, साथ ही सामुदायिक संगठन जैसे सॉल्ट रिवर हेरिटेज सोसाइटी (SRHS) और एक्टिविस्ट आंदोलन जैसे एक्सटिंक्शन रिबेलियन (XR) शामिल हैं।